

प्रेषक,

बी0आर0टम्टा,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,

बागेश्वर।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 07 दिसम्बर, 2010

विषय:-वित्तीय वर्ष 2010-11 में जिला योजनान्तर्गत बजट प्राविधानित न होने के कारण सम्बन्धित मद में पुनर्विनियोग के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1884-85/स0क0/जिला योजना-बजट आवंटन/2010-11 दिनांक 20.10.2010 के क्रम में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-187/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक 2235-02-104-05-29 वृद्ध, अशक्त, दुर्बल तथा निसहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण आदि मद में कम पड़ रही धनराशि की पूर्ति हेतु संलग्न बी.एम.-15 में अंकित विवरणानुसार रु. 1.00 लाख (रुपया एक लाख मात्र) की धनराशि को पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत कर चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य /लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।

5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।
7. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय संलग्न बी0एम0-15 के स्तम्भ 5 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-718(P)XXVII(3)10-11 दिनांक 03 दिसम्बर, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(बी0आर0टम्टा)

अपर सचिव

संख्या 1087/XVII-2/2010-10(17)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
3. निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, नैनीताल/बागेश्वर।
6. जिला समाज कल्याण अधिकारी, बागेश्वर।
7. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय संशाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
10. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(धीरेन्द्र सिंह दताल)

उप सचिव।

नियंत्रक अधिकारी :- प्रमुख सचिव, समाज कल्याण,
उत्तराखण्ड शासन।

वित्तीय वर्ष 2010-2011

प्रशासकीय निभाग :- समाज कल्याण
अनुदान संख्या - 15

बजट प्राविधान तथा लेखाश्रीक का विवरण	मानकमदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरलरस) धनराशि	लेखा शीर्षक, जिसमें धनराशि स्थानांतरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि (स्तम्भ-1 में)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुसू-15 आयोजनागत 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण 02-समाज कल्याण 800-अन्य व्यय 91-सम्प्रेषण गृहों आदि का अनुक्षण एवं सुदृढीकरण 29-अनुक्षण	1431	-	121	अनुसू-15 आयोजनागत 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण 02-समाज कल्याण 104-वृद्ध अशक्त, दुर्बल तथा निस्सहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण 05-वृद्ध अशक्त, दुर्बल तथा निस्सहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण 29-अनुक्षण	600	1331	वृद्ध अशक्त, दुर्बल तथा निस्सहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण योजना के अन्तर्गत मानक मद-29- अनुक्षण मद में धनराशि कम पड़ने के कारण इस मद में पुनर्विनियोग आवश्यक है।
योग	1431	-	121	योग :	600	1331	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग -3

सं0-718/XXVII(3)/2010-2011

देहरादून: दिनांक: 03 अक्टूबर, 2010

पुनर्विनियोग स्वीकृत।

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव, वित्त।

सेवा में,

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)

उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।

संख्या- 1087/XXVII-3/10-10(17)/2009/तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी हल्द्वानी (नैनीताल)/बागेश्वर।
- निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)।
- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- जिला समाज कल्याण अधिकारी, बागेश्वर।

आज्ञा से,

22

(बी0आर0टम्टा)

अपर सचिव,

समाज कल्याण।

(विनीता कुमार)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त,

समाज कल्याण।